POST GRADUATE CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

December, 2022

MTT-033 : SCRIPT WRITING, ADAPTATION AND AUDIO-VISUAL MEDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any **three** questions from Questions No. **1** to **7**. Each question carries equal marks. Answer long-answer type questions in about 700 words. Question No. **8** is **compulsory** and it carries 40 marks. Answer Question No. **8** as per given instructions.*

1. Examine various points pertaining to script writing for Drama.

2. Discuss the expected qualities of an adapter.

3. Elaborate various types of Audio-Visual media.

4. What do you understand by Adaptation and Creativity ? Explain.

5. What are the points to be considered while adapting literary genres into radio ? Discuss.

6. Analyze the inter-relationship between Literature and Cinema.

7. Write short notes on any ***two*** of the following :

(a) Script Writing for Documentary Film

(b) New Media

(c) Stage Adaptation of Poetry

(d) Language of Radio

8. Read the given text carefully. This excerpt is taken from the Hindi version of *Kabuliwala*, a short story written by Rabindranath Tagore. Write a script for its television adaptation.

कुछ दिन बाद एक दिन सवेरे किसी काम से घर से बाहर जाते समय देखा कि मेरी नन्हीं बेटी दरवाज़े के पास बेंच के ऊपर बैठी अपनी बे-सिर-पैर की बातें कर रही है । काबुलीवाला उसके पैरों के पास बैठा मुस्कुराता हुआ सुन रहा है । वह बीच-बीच में मिनी की बातों पर अपनी राय भी बताता जाता है । मिनी को अपने पाँच साल वेफ जीवन में पिता के अलावा ऐसा धीरज रखकर उसकी बातों को सुनने वाला कभी नहीं मिला था । मैंने यह भी देखा कि उसका छोटा आँचल बादाम-किशमिश से भरा था । मैंने काबुलीवाले से कहा, उसे यह सब क्यों दिया ? अब फिर मत देना । मैंने जेब से एक

अठन्नी निकाल कर उसको दे दी । काबुलीवाले ने अठन्नी मुझसे लेकर अपने झोले में रख ली । घर लौटकर आया तो देखा कि उस अठन्नी को लेकर पूरा झगड़ा मचा हुआ है । मिनी की माँ उससे पूछ रही थी, तुझे यह अठन्नी कहाँ मिली ? मिनी कह रही थी, काबुलीवाले ने दी । मैंने माँगी नहीं थी । उसने ख़ुद दे दी । मैंने मिनी की माँ को समझाया और मिनी को बाहर ले गया । पता चला कि इस दौरान काबुलीवाले ने लगभग रोज़ आकर मिनी को पिस्ता-बादाम देकर उसके नन्हें दिल का विश्वास पा लिया है । वे आपस में दोस्त बन गए हैं । दोनों में कुछ बँधी हुई बातें और हँसी-मज़ाक चलते । काबुली रहमत को देखते ही मेरी बेटी हँसते हुए पूछती, काबुलीवाले ! तुम्हारी झोली में क्या है ? रहमत हँसते हुए उत्तर देता, हाथी । मतलब उसकी झोली में हाथी है । इस बात से दोनों ख़ूब हँसते । उनमें एक और हँसी भरी बात चलती थी । रहमत मिनी से कहता, मिनी तुम क्या ससुराल कभी नहीं जाओगी ?

ससुराल का मतलब नहीं समझने के कारण मिनी उलट कर पूछती, तुम ससुराल जाओगे ? रहमत ससुर के लिए ख़ूब मोटा घूँसा तानकर कहता, मैं ससुर को मारूँगा । सुनकर मिनी 'ससुर' नाम के किसी अनजाने जीव की पिटी-पिटाई हालत के बारे में सोच कर ख़ूब हँसती ।

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र
(पी.जी.सी.ए.आर.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022

एम.टी.टी.-033 : स्क्रिप्ट (नाट्य पटकथा) लेखन, रूपांतरण एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न सं. **1** से **7** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं । दीर्घ-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों में दीजिए । प्रश्न सं. **8** **अनिवार्य** है और यह 40 अंक का है । दिए गए निर्देशानुसार प्रश्न सं. **8** का उत्तर दीजिए ।*

---

1. ड्रामा स्क्रिप्ट (नाट्य पटकथा) लेखन से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं का परीक्षण कीजिए ।

2. रूपांतरकार से अपेक्षित गुणों की चर्चा कीजिए ।

3. दृश्य-श्रव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

4. रूपांतरण और सर्जनात्मकता से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

5. साहित्यिक विधाओं का रेडियो रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है ? चर्चा कीजिए ।

6. साहित्य और सिनेमा के बीच अंत:संबंध का विश्लेषण कीजिए ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन

(ख) नए संचार माध्यम

(ग) कविता का नाट्य रूपांतरण

(घ) रेडियो की भाषा

8. नीचे दिए गए उद्धरण को ध्यापूर्वक पढ़िए । यह उद्धरण रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखी गई कहानी '*काबुलीवाला*' के हिंदी संस्करण से लिया गया है । इसके टेलीविज़न रूपांतरण के लिए स्क्रिप्ट लेखन लिखिए ।

कुछ दिन बाद एक दिन सवेरे किसी काम से घर से बाहर जाते समय देखा कि मेरी नन्हीं बेटी दरवाज़े के पास बेंच के ऊपर बैठी अपनी बे-सिर-पैर की बातें कर रही है । काबुलीवाला उसके पैरों के पास बैठा मुस्कुराता हुआ सुन रहा है । वह बीच-बीच में मिनी की बातों पर अपनी राय भी बताता जाता है । मिनी को अपने पाँच साल वेफ जीवन में पिता के अलावा ऐसा धीरज रखकर उसकी बातों को सुनने वाला कभी नहीं मिला था । मैंने यह भी देखा कि उसका छोटा आँचल

बादाम-किशमिश से भरा था । मैंने काबुलीवाले से कहा, उसे यह सब क्यों दिया ? अब फिर मत देना । मैंने जेब से एक अठन्नी निकाल कर उसको दे दी । काबुलीवाले ने अठन्नी मुझसे लेकर अपने झोले में रख ली । घर लौटकर आया तो देखा कि उस अठन्नी को लेकर पूरा झगड़ा मचा हुआ है । मिनी की माँ उससे पूछ रही थी, तुझे यह अठन्नी कहाँ मिली ? मिनी कह रही थी, काबुलीवाले ने दी । मैंने माँगी नहीं थी । उसने ख़ुद दे दी । मैंने मिनी की माँ को समझाया और मिनी को बाहर ले गया । पता चला कि इस दौरान काबुलीवाले ने लगभग रोज़ आकर मिनी को पिस्ता-बादाम देकर उसके नन्हें दिल का विश्वास पा लिया है । वे आपस में दोस्त बन गए हैं । दोनों में कुछ बँधी हुई बातें और हँसी-मज़ाक चलते । काबुली रहमत को देखते ही मेरी बेटी हँसते हुए पूछती, काबुलीवाले ! तुम्हारी झोली में क्या है ? रहमत हँसते हुए उत्तर देता, हाथी । मतलब उसकी झोली में हाथी है । इस बात से दोनों ख़ूब हँसते । उनमें एक और हँसी भरी बात चलती थी । रहमत मिनी से कहता, मिनी तुम क्या ससुराल कभी नहीं जाओगी ?

ससुराल का मतलब नहीं समझने के कारण मिनी उलट कर पूछती, तुम ससुराल जाओगे ? रहमत ससुर के लिए ख़ूब मोटा घूँसा तानकर कहता, मैं ससुर को मारूँगा । सुनकर मिनी 'ससुर' नाम के किसी अनजाने जीव की पिटी-पिटाई हालत के बारे में सोच कर ख़ूब हँसती ।